यौन उत्पीड़न रोकथाम के लिए किया गया जागरूक

- एक्सआईएसएस में किया गया आयोजन
- शिक्षक और विद्यार्थी कार्यशाला में शामिल

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमेटी (आईसीसी) की ओर से बुधवार को समानता, सशक्तिकरण व शिक्षाः लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर संसाधनसेवी झारखंड हाई कोर्ट की वकील खुशबू कटारुका मौजूद थीं।

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने कानूनों के बारे में सभी से जागरूक होने की अपील की। डीन एकेडेमिक डॉ अमर एरोन तिग्गा ने बताया कि कैसे यह कार्यशाला छात्रों को उनके कॉर्पोरेट करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगी। संसाधनसेवी खुशबू कटारूका ने स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के बारे में बात की। उन्होंने समाज में हमारी भूमिका, विचार प्रक्रिया, मनुष्यों की अनुकूलन क्षमता, लिंग और विकास के बारे में चर्चा की।

उन्होंने आगे समता और समानता के बारे में बात की व विद्यार्थियों से अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में आईसीसी की पीठासीन अधिकारी डॉ मधुमिता सिंघा आदि मौजूद थे।

PRESS: HINDUSTAN

आज के कानूनों के बारे में सबको जागरूक होने की है जरूरत : डा. प्रदीप केरकेट्टा

जासं, रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट आफ सोशल सर्विस रांची की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमेटी ने समानता, सशक्तीकरण और शिक्षा – लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। आयोजन कैंपस में फा. माइकल वान डेन बोगार्ट आडिटोरियम में किया गया। संस्थान के सहायक निदेशक डा. प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने समाज की पितृसत्तात्मक मानसिकता के बारे में बातें की। उन्होंने मौजूदा कानूनों के बारे में सभी से जागरूक होने की अपील की। डीन एकेडमिक डा. अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों को उनके कारपोरेट करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि संस्थान लैंगिक रूप से संवेदनशील और सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रिसोर्स पर्सन खुशबू कटारूका ने एक शैक्षणिक संस्थान में किस प्रकार व्यवहार किया जाता है, की जानकारी दी। उन्होंने स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के बारे में बात की।

PRESS: DAINIK JAGRAN

XISS Internal Complaints Committee hosts workshop on Equity, Empowerment and Education for a Safer Workplace

Internal Complaints Committee (ICC) of Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, organized a one-day Workshop-cum-Trainingon "Equity, Empowerment, and Education: A Comprehensive Workshop on Gender,Rights, and Prevention of Sexual Harassment" for all employees and students of XISSat the Fr Michael Van den Bogaert Auditorium. The resource person for the event was Ms Khushboo Kataruka, Advocate at Jharkhand High Court.

Assistant Director, Dr Pradeep Kerketta SJ during his inaugural speech in said, we must learn to co-exist in the society and follow a certain behaviour. Thepatriarchal mindset of the society, makes us look at things from a different perspective. So, we need to be aware of laws which exist so that an employee and the employer understand things and make the place a safe working environment.

DeanAcademics, Dr Amar Eron Tigga emphasized on the importance of the workshop and mentioned how it would play a role in shaping students for their corporate career. He urged students to be 'Professional with a difference' and stated that the Institute is gender sensitive and committed to the safety of each.

Ms Khushboo Kataruka during the session, stressed on the importance of knowing how to conduct oneself and how to behave in a professional environment. She spoke of acceptable and unacceptable behaviour citing examples. Further, she discussed about the role we play in the society,our thought process, status of women in the society and how they have been subjugated, adaptability of humans, gender, and evolution. She also spoke about Equity and Equality, and urged students to do their part and said that, "Everyone has equal existence." She also said "Inequality gets learnt, Equality needs teaching." She stressed that inequality passes through generations and it is important to break the chain. She also stressed on importance of speaking up in situations and standing up whenever required, specially in case of women.

Mr Jonson Topno, an alumnus of XISS and an External Member of the ICC, welcomed the students and said that the institute shapes perspective of individuals. He stressed on how the workshop is important in professional career.

Presiding Officer of ICC, DrMadhumita Singha, and members DrPooja, DrSharda Singh, DrAmit Kumar Giri, Koyel Mukherjee, and Ameesha Chaudhary were present during this workshop.

PRESS: MORNING INDIA

झारखण्ड राँची

एक्सआईएसएस में इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी का सुरक्षित कार्यस्थल में समानता, सशक्तिकरण और शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

by Nitesh Verma September 13, 2023 0 16

SHARE 0

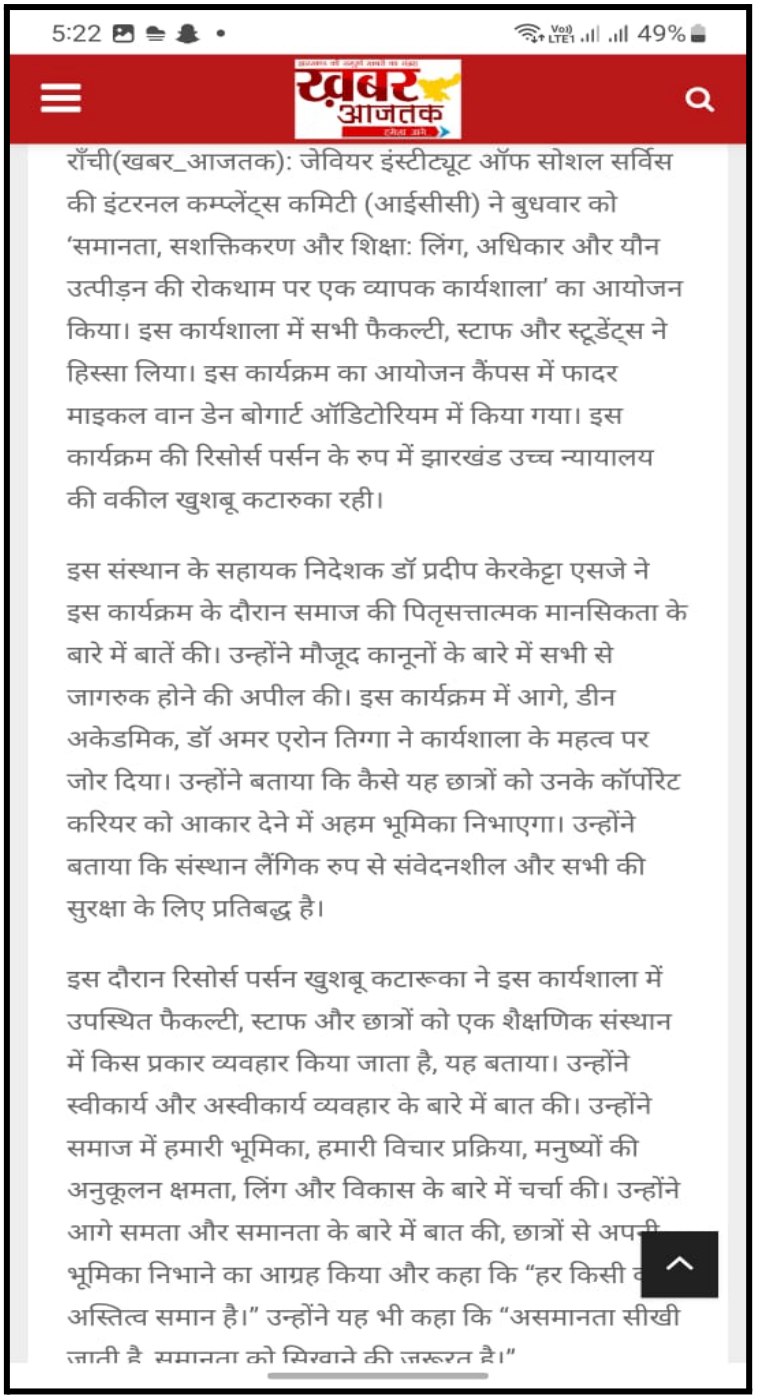

राँची(खबर_आजतक): जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी (आईसीसी) ने बुधवार को 'समानता, सशक्तिकरण और शिक्षा: लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक व्यापक कार्यशाला' का आयोजन किया। इस कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन कैंपस में फादर माइकल वान डेन बोगार्ट ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रुप में झारखंड उच्च न्यायालय की वकील खुशबू कटारुका रही।

इस संस्थान के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने इस कार्यक्रम के दौरान समाज की पितृसत्तात्मक मानसिकता के बारे में बातें की। उन्होंने मौजूद कानूनों के बारे में सभी से जागरुक होने की अपील की। इस कार्यक्रम में आगे, डीन अकेडमिक, डॉ अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों को उनके कॉर्पोरेट करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान लैंगिक रुप से संवेदनशील और सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान रिसोर्स पर्सन खुशबू कटारूका ने इस कार्यशाला में उपस्थित फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों को एक शैक्षणिक संस्थान में किस प्रकार व्यवहार किया जाता है, यह बताया। उन्होंने स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के बारे में बात की। उन्होंने समाज में हमारी भूमिका, हमारी विचार प्रक्रिया, मनुष्यों की अनुकूलन क्षमता, लिंग और विकास के बारे में चर्चा की। उन्होंने आगे समता और समानता के बारे में बात की, छात्रों से अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया और कहा कि "हर किसी का अस्तित्व समान है।" उन्होंने यह भी कहा कि "असमानता सीखी जाती है, समानता को सिखाने की जरूरत है।"

PRESS: KHABAR AAJTAK

5:21 50%

Kewalsachlive.in
News Portal A Voice of India

Donate Now

XISS Ranchi : लैंगिक रूप से संवेदनशील और सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन, जाने वक्ताओं ने क्या कहा...

जेवियर समाज सेवा संस्थान रांची में इंटरनल कम्प्लेंट्स कमेटी द्वारा कार्यशाला का आयोजन

Gaurav Jha · 5 hours ago 0 15

1 minute read

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट आफ सोशल सर्विस रांची (XISS Ranchi) की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमेटी ने समानता, सशक्तिकरण और शिक्षा – लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन कैंपस में फा. माइकल वा
देन बोगार्ट आडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम की रिसोर्स

PRESS: KEWAL SACH LIVE

XISS में समानता, सशक्तिकरण और शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

Moizuddin Jharkhand • 10 hours ago 0 16

1 minute read

राँची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी (आईसीसी) ने 13 सितंबर को 'समानता, सशक्तिकरण और शिक्षा: लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक व्यापक कार्यशाला' का आयोजन किया। कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन कैंपस में फादर माइकल वान डेन बोगार्ट ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रूप में झारखंड उच्

Hindi

किया गया। इस कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय की वकील खुशबू कटारुका रही।

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने इस कार्यक्रम के दौरान समाज की पितृसत्तात्मक मानसिकता के बारे में बातें की। उन्होंने मौजूद कानूनों के बारे में सभी से जागरूक होने की अपील की। कार्यक्रम में आगे, डीन अकेडमिक, डॉ अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों को उनके कॉर्पोरेट करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान लैंगिक रूप से संवेदनशील और सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

रिसोर्स पर्सन खुशबू कटारूका ने इस कार्यशाला में उपस्थित फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों को एक शैक्षणिक संस्थान में किस प्रकार व्यवहार किया जाता है, यह बताया। उन्होंने स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के बारे में बात की। उन्होंने समाज में हमारी भूमिका, हमारी विचार प्रक्रिया, मनुष्यों की अनुकूलन क्षमता, लिंग और विकास के बारे में चर्चा की। उन्होंने आगे समता और समानता के बारे में बात की, छात्रों से अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया और कहा, “हर किसी का अस्तित्व समान है।” उन्होंने यह भी कहा, “असमानता सीखी जाती है, समानता को सिखाने की जरूरत है।”

एक्सआईएसएस के पूर्व छात्र और आईसीसी के एक्सटर्नल मेम्बर जॉनसन टोपनो ने अपने संबोधन में छात्रों का स्वागत किया और कहा कि संस्थान व्यक्तियों के दृष्टिकोण को आकार देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रोफेशनल करियर में कार्यशाला कितनी महत्वपूर्ण है।

PRESS: AIR NEWS NETWORK

एक्सआईएसएस में इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी का सुरक्षित कार्यस्थल में समानता, सशक्तीकरण और शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी (आईसीसी) ने 13 सितंबर को समानता, सशक्तिकरण और शिक्षाः लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक व्यापक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन कैंपस में फादर माइकल वान डेन बोगार्ट ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय की वकील खुशबू कटारुका रही। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने इस कार्यक्रम के दौरान समाज की

पितृसत्तात्मक मानसिकता के बारे में बातें की। उन्होंने मौजूद कानूनों के बारे में सभी से जागरूक होने की अपील की। कार्यक्रम में आगे, डीन अकेडमिक, डॉ अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों को उनके कॉर्पोरेट करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान लैंगिक रूप से संवेदनशील और सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रिसोर्स पर्सन खुशबू कटारूका ने इस कार्यशाला में उपस्थित फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों को एक शैक्षणिक संस्थान में किस प्रकार व्यवहार किया जाता है, यह बताया। उन्होंने स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के बारे में बात की।

PRESS: FREEDOM FIGHTERS

एक्सआईएसएस में इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी का सुरक्षित कार्यस्थल में समानता

सशक्तिकरण और शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन

पंच संवाददाता

रांची। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी (आईसीसी) ने 13 सितंबर को समानता, सशक्तिकरण और शिक्षाः लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक व्यापक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन कैंपस में फादर माइकल वान डेन बोगार्ट ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय की वकील खुशबू कटारुका रही। संस्थान के सहायक

निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने इस कार्यक्रम के दौरान समाज की पितृसत्तात्मक मानसिकता के बारे में बातें की। उन्होंने मौजूद कानूनों के बारे में सभी से जागरूक होने की अपील की। कार्यक्रम में आगे, डीन अकेडमिक, डॉ अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों को उनके कॉर्पोरेट करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान लैंगिक रूप से संवेदनशील और सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रिसोर्स पर्सन खुशबू कटारूका ने इस कार्यशाला में उपस्थित फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों को एक शैक्षणिक संस्थान में किस प्रकार व्यवहार किया जाता है, यह बताया।

PRESS: PUNCH

एक्सआईएसएस में सशक्तिकरण और शिक्षा पर कार्यशाला आयोजित

नवीन मेल संवाददाता। रांची

जेक्यिर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी (आईसीसी) ने बुधवार को ह्यसमानता, सशक्तिकरण और शिक्षाः लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक व्यापक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन कैंपस में फादर माइकल वान डेन बोगार्ट ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय की वकील खुशबू कटारुका रही।

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने इस कार्यक्रम के दौरान समाज की पितृसत्तात्मक मानसिकता के बारे में बातें की। उन्होंने मौजूद कानूनों के बारे में सभी से जागरूक होने की अपील की। कार्यक्रम में आगे, डीन अकेडमिक, डॉ अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों को उनके कॉर्पोरेट करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान लैंगिक रूप से संवेदनशील और सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रिसोर्स पर्सन खुशबू कटारूका ने इस कार्यशाला में उपस्थित फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों को एक शैक्षणिक संस्थान में किस प्रकार व्यवहार किया जाता है, यह बताया। उन्होंने स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के बारे में बात की। उन्होंने समाज में हमारी भूमिका, हमारी विचार प्रक्रिया, मनुष्यों की अनुकूलन क्षमता, लिंग और विकास के बारे में चर्चा की। उन्होंने आगे समता और समानता के बारे में बात की, छात्रों से अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया और कहा, हर किसी का अस्तित्व समान है।

PRESS: RASHTRIYA NAVIN MAIL

SOCIAL NEWS SEARCH

एक्सआईएसएस में इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी की कार्यशाला आयोजित

राँची

September 13, 2023 Social News Search

Leave A Comment

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस, रांची की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी (आईसीसी) ने 13 सितंबर को 'समानता, सशक्तिकरण और शिक्षा: लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक व्यापक कार्यशाला' का आयोजन किया. कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया. कार्यक्रम का आयोजन कैंपस में फादर माइकल वान डेन बोगार्ट ऑडिटोरियम में किया गया. इस कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय की वकील खुशबू कटारुका रही.

डॉ अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया.

संस्थान के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने इस कार्यक्रम के दौरान समाज की पितृसत्तात्मक मानसिकता के बारे में बातें की. उन्होंने मौजूद कानूनों के बारे में सभी से जागरूक होने की अपील की. कार्यक्रम में आगे, डीन अकेडमिक, डॉ अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों को उनके कॉर्पोरेट करियर को आकार देने में अहमण भूमिका निभाएगा. उन्होंने बताया कि संस्थान लैंगिक रूप से संवेदनशील और सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है.

रिसोर्स पर्सन खुशबू कटारूका ने इस कार्यशाला में उपस्थित फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों को एक शैक्षणिक संस्थान में किस प्रकार व्यवहार किया जाता है, यह बताया. उन्होंने स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के बारे में बात की. उन्होंने समाज में हमारी भूमिका, हमारी विचार प्रक्रिया, मनुष्यों की अनुकूलन क्षमता, लिंग और विकास के बारे में चर्चा की. उन्होंने आगे समता और समानता के बारे में बात की, छात्रों से अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया और कहा, "हर किसी का अस्तित्व समान है." उन्होंने यह भी कहा, "असमानता सीखी जाती है, समानता को सिखाने की जरूरत है."

प्रोफेशनल करियर में कार्यशाला कितनी महत्वपूर्ण

एक्सआईएसएस के पूर्व छात्र और आईसीसी के एक्सटर्नल मेम्बर जॉनसन टोपनो ने अपने संबोधन में छात्रों का स्वागत किया और कहा कि संस्थान व्यक्तियों के दृष्टिकोण को आकार देता है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रोफेशनल करियर में कार्यशाला कितनी महत्वपूर्ण है.

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्थान के आईसीसी की पीठासीन अधिकारी, डॉ मधुमिता सिंघा, और सदस्य डॉ पूजा, डॉ शारदा सिंह, डॉ अमित कुमार गिरी, हर्षवर्धन, कोयल मुख़र्जी, और अमीषा चौधरी आदि उपस्थित रहे.

PRESS: SOCIAL NEWS RESEARCH

एक्सआईएसएस में समानता, सशक्तिकरण और शिक्षा के अधिकार पर कार्यशाला

GANDIV REPORTER

रांची। एक्सआईएसएस में इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी का सुरक्षित कार्यस्थल में समानता, सशक्तिकरण और शिक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस की इंटरनल कम्प्लेंट्स कमिटी (आईसीसी) ने समानता, सशक्तिकरण और शिक्षाः लिंग, अधिकार और यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर एक व्यापक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में सभी फैकल्टी, स्टाफ और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन कैंपस में फादर माइकल वान डेन बोगार्ट ऑडिटोरियम में किया गया। इस कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय की वकील खुशबू कटारुका रही। संस्थान के सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे ने समाज की पितृसत्तात्मक मानसिकता के बारे में बातें की। उन्होंने मौजूद कानूनों के बारे में सभी से जागरूक होने की अपील की। कार्यक्रम में डीन अकेडमिक, डॉ अमर एरोन तिग्गा ने कार्यशाला के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे यह छात्रों को उनके कॉर्पोरेट करियर को आकार देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि संस्थान लैंगिक रूप से संवेदनशील और सभी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। रिसोर्स पर्सन खुशबू कटारूका ने इस कार्यशाला में उपस्थित फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों को एक शैक्षणिक संस्थान में किस प्रकार व्यवहार किया जाता है। यह बताया। उन्होंने स्वीकार्य और अस्वीकार्य व्यवहार के बारे में बात की। उन्होंने समाज में हमारी भूमिका, हमारी विचार प्रक्रिया, मनुष्यों की अनुकूलन क्षमता, लिंग और विकास के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में आईसीसी की पीठासीन अधिकारी, डॉ मधुमिता सिंघा और सदस्य डॉ पूजा, डॉ शारदा सिंह, डॉ अमित कुमार गिरी, हर्षवर्धन, कोयल मुखर्जी और अमीषा चौधरी आदि उपस्थित थे।

PRESS: BIRSA KA GANDHIV